

दिनांक 20/8/2026

नई दुनिया

जबलपुर, गुरुवार, 20 अगस्त, 2026

पेज नं. III

तुलसीदास का साहित्य नैतिक मूल्यों की स्थापना में निभाता है महत्वपूर्ण भूमिका

मानकुंवर बाई महिला महाविद्यालय में तुलसी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर: शासकीय मानकुंवरबाई कला एवं वाणिज्य महिला महाविद्यालय के हिंदी विभाग में बुधवार को महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के अवसर पर साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने तुलसीदास जी के जीवन, व्यक्तित्व और साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनके साहित्य में निहित भक्ति, लोकमंगल, सामाजिक समरसता, समन्वय और जीवन-मूल्यों की चर्चा की।

वक्ताओं ने कहा कि तुलसीदास का साहित्य आज भी सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जयंती के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा "तुलसीदास के काव्य में समाज सुधार की चेतना" विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने सहभागिता की। वहीं "तुलसी साहित्य में सामाजिक समरसता" विषय पर भाषण प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें 16 छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किए। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. नीना उपाध्याय ने तुलसीदास जी के व्यापक साहित्य और उनके लोकमंगलकारी आदर्शों



मानकुंवर बाई कालेज में तुलसीदास जयंती पर मंच पर उपस्थित अतिथि। • सौ. कालेज

पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि तुलसीदास के संस्कार, आदर्श और जीवन-मूल्य आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। समरसता पर रखे विचार: वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. मनोज प्रियदर्शन ने तुलसीदास की भक्ति भावना एवं सामाजिक समरसता पर विचार रखे। प्रो. सपना चौहान ने तुलसी साहित्य में विद्यमान भक्ति एवं समन्वय की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता बताई। डा. बलीराम अहिरवार ने तुलसीदास

के लोकनायकत्व, भक्ति और साहित्यिक कृतित्व पर प्रकाश डाला। डा. इंद्रसिंह वरकड़े ने उनके व्यक्तित्व एवं भक्ति भावना को अनुकरणीय बताया। इस अवसर पर आचार्य एवं शोधार्थी हिमांशु सिंह, अंजली चौबे सहित हिंदी विभाग के प्राध्यापक और छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम प्राचार्य डा. सुनीता मिश्रा की अध्यक्षता तथा हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. नीना उपाध्याय के निर्देशन में किया गया।



प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान में जयंती पर उपस्थित प्राध्यापक और अन्य।

दिनांक

20/8/2026

नई दुनिया

पेज नं. III